



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (II)

प्राधिकरण से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 210]
No. 210]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 28, 1987/वैशाख 8, 1909
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 28, 1987/VAISAKHA 8, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 अप्रैल, 1987

का. प्रा. 448(अ).—गोदी कर्मकार (सुरक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (i) द्वारा प्रवर्तित शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के श्रम मंत्रालय की तारीख 12 सितम्बर, 1983 की अधिसूचना संख्या का. प्र. 3708 का अधीकरण करते हुए, केन्द्रीय सरकार, नीचे दी गई सारणी के अन्तर्गत (1) में विनिर्दिष्ट अधिकारियों को उस सारणी के कावम (2) में सूची प्रविष्टियों में विनिर्दिष्ट पदों की स्थानीय सीमाओं के अन्दर उक्त अधिनियम के प्रयोजनार्थ गोदी सुरक्षा मुख्य निरीक्षक नियुक्त करती है :—

सारणी

अधिकारी	पद
1	2
1. महानिदेशक कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय, बम्बई।	मुख्य निरीक्षक सभी मुख्य पद
2. उप महानिदेशक, निदेशक (सुरक्षा), संयुक्त निदेशक (इंजीनियरिंग), उप निदेशक (इंजीनियरिंग), कारखाना सलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय, बम्बई के मुख्यालय में गोदी सुरक्षा प्रभाग।	निरीक्षक सभी मुख्य पद
3. उप-निदेशक (गोदी सुरक्षा), बम्बई।	निरीक्षक बम्बई, नागार्जुन, मारमार्गोवा और काव्दला

8. अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक म. हिन्दुस्तान इमेन्टीसाइड्स लि	सदस्य
9. अध्यक्ष और प्रबन्ध निदेशक म. हिन्दुस्तान ऑनितिक कॅमीकल्स	सदस्य
10. निदेशक, नेशनल कॅमीकल्स लेबोरेटरीज, पुणे	सदस्य
11. निदेशक, आर. आर. एल., हैदराबाद	सदस्य
12. निदेशक, आर. आर. एल. जोरहाट	सदस्य
13. अध्यक्ष हाइड्रो कॅमीकल्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन	सदस्य
14. अध्यक्ष, अलकाली मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन	सदस्य
15. अध्यक्ष आल इंडिया अल्कोहल बेन्ड इंडस्ट्रीज डेवेलपमेंट एसोसिएशन	सदस्य
16. अध्यक्ष आल इंडिया, डिस्टीलरीज एसोसिएशन	सदस्य
17. अध्यक्ष, फंडेशन ऑफ एसोसिएशन ऑफ रमाल स्केल इंडस्ट्री	सदस्य
18. अध्यक्ष, डार्ड स्पाफ्स मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन	सदस्य
19. अध्यक्ष, पेस्ट्रीसाइड्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया	सदस्य
20. श्री कल्याण मेन, इंडस्ट्रियलिस्ट	सदस्य
21. डा. के. नारायणन, अध्यक्ष, कॅमीकल्स एण्ड प्लास्टिक्स इंडिया लि., मद्रास	सदस्य
22. श्री एम. डी. धमाकर, प्रबन्ध निदेशक, एच आई सी ओ प्रोडक्ट्स, बॉम्बे	सदस्य
23. श्री आर. बी. कनोरिया, संयुक्त प्रबन्ध निदेशक कनोरिया कॅमीकल्स	सदस्य
24. श्री एम. एल. सेठ बरिष्ठ सलाहकार श्री राम ग्रुप, दिल्ली	सदस्य
25. संयुक्त सचिव (रसायन) एवं पैटेंट रसायन विभाग	सदस्य

अनुबंध--2

रसायन उद्योग विकास पारिषद के कार्य: --

1. उत्पादन के लिये लक्ष्य निर्धारित करना, उत्पादन कार्यक्रमों का समन्वय करना तथा समय-समय पर प्रगति का पुनरीक्षा करना।

2. बरबादी को समाप्त करने की दृष्टि से दक्षता के मापदण्डों का सुझाव देना, अधिकतम उत्पादन प्राप्त करना, बर्बादियों में सुधार करना तथा लागत को कम करना।

3. स्थापित क्षमता की पूर्ण उपयोगिता प्राप्त करने के लिये उपायों की सिफारिश करना तथा उद्योग के कार्यकरण में सुधार लाना, विप्रेषण कम दक्ष एककों के संबंध में।

4. बेहतर विपणन व्यवस्थाओं को बढ़ावा देना तथा उद्योग के उत्पाद के वितरण और बिक्री को ऐसी प्रणाली तैयार करने में सहायता देना जो उपभोक्ताओं के लिये संतोषजनक हो।

5. उत्पादों का मानकीकरण को बढ़ावा देना।

6. नियंत्रित सामग्री के वितरण में सहायता प्रदान करना तथा उद्योग के लिये सामग्री प्राप्त करने की व्यवस्था को बढ़ावा देना।

7. सामग्री और उपस्कर तथा उत्पादन के तरीकों, प्रबंध तथा उपयोगिता की जांच करना तथा उसको बढ़ावा देना, नये कच्चे माल उपस्कर तथा नये तरीकों की खोज तथा विकास सहित, पहले से प्रचलित उपस्करों और पद्धति में सुधार करने की जांच करना। विभिन्न विकल्पों के लाभों, प्रायोगिक संस्थाओं के कार्यों तथा वाणिज्यिक आधार पर परीक्षण का संयोजन करना।

8. उद्योग में रत या उसके लिये प्रस्तावित व्यक्तियों के प्रशिक्षण को बढ़ावा देना तथा उस उद्योग से संबद्ध तकनीकी विषयों में उनकी शिक्षा प्रदान करना।

9. उद्योग में रत या छूटने लगे कार्य कर्मियों को वैकल्पिक व्यवसायों में लगाये रखने को बढ़ावा देना।

10. वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान को बढ़ावा देना, या आयोजित करना, औद्योगिक मनोवृत्ति को प्रभावित करने वाले मामलों का अनुसंधान करना तथा उत्पादन में संबंधित मामलों तथा उद्योग द्वारा आपूर्ति किये गये माल तथा सेवाओं के उपभोग या इस्तेमाल के संबंध में अनुसंधान करना।

11. लेखा तथा लागत निर्धारित करने के तरीकों तथा कार्य पद्धति में सुधार करना तथा मानकीकरण को बढ़ावा देना।

12. आकड़ों के संकलन तथा सूत्रीकरण को बढ़ावा देना या आयोजित करना।

13. उत्पादन के स्तरों तथा प्रक्रियाओं का विकासात्मक करने की संभावना की जांच करना ताकि समवर्ती लघु उद्योग तथा कुटीर उद्योगों की वृद्धि को प्रोत्साहन दिया जाये।

14. श्रम की उत्पादकता को बढ़ाने से संबंधित उपायों का अभि-स्वीकृति को बढ़ावा देना, जिसमें श्रमिकों के लिये सुरक्षित तथा बेहतर कार्य दशायें तथा सुविधाओं एवं प्रोत्साहनों के प्रावधान और उनमें सुधार करने के उपाय शामिल हैं।

15. उद्योग से संबंधित किसी भी मामले (वैतन और सेवा की शर्तों से भिन्न) के संबंध में परामर्श देना, जिसके संबंध में केन्द्रीय सरकार विकास परिषद् को सलाह देने के लिये अनुरोध करे तथा विकास परिषद् परामर्श दे सकने के प्रयोजन के लिये जांच कर सके।

16. उद्योग को प्राप्त सूचना उपलब्ध बनाने के लिये व्यवस्था करना और उन मामलों पर परामर्श देना जो विकास परिषद् के कार्यक्षेत्र में आते हैं।

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Chemicals & Petrochemicals)

New Delhi, the 19th February, 1987

ORDER

S.O. 389(E). --In exercise of the powers conferred by section 6 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), read with rules 2, 3, 4 and 5 of the Development Council (Procedural) Rules, 1952 the Central Government hereby establishes a Development Council for the Chemicals covering items other than Petro-Chemicals. The said Development Council shall be known as the National Development Council for Chemicals and shall consist of the members specified in Annexure I to this Order, whose tenure of appointment shall be for a period of two years from the date of publication of this Order in the Official Gazette.

2. The said Development Council shall perform functions as are specified in Annexure II to this Order.

3. Joint Secretary (Chemicals) Department of Chemicals and Petrochemicals, New Delhi, is hereby appointed to carry on the functions of the Member-Secretary to the said Development Council.

[No. 15022(22)83-Ch. IV]

G.S. SANDHU, Jt. Secy.

23. Shri R.V. Kanoria, Member
Jt. Managing Director
Kanoria Chemicals, Calcutta.

24. Shri M.L. Seth, Senior Adviser, Member
Shri Ram Group, Delhi.

25. Jt. Secretary (Chemicals), Deptt. Member
of Chemicals & Petrochemicals. Secretary

ANNEXURE-I

List of the Members of the Development Council for Chemical Industries

1. Secretary, Deptt. of Chemicals and Petrochemicals.	Chairman
2. Adviser (Industry and Minerals Division) Planning Commission.	Member
3. Dy. Director General, DGTD.	Member
4. Member (Technical), BICP.	Member
5. Chairman, Central Water Pollution Control Board, New Delhi.	Member
6. Jt. Secretary (PP) Deptt. of Agriculture.	Member
7. Commissioner (TRU) Deptt. of Revenue.	Member
8. Chairman & Managing Director, M/s. Hindustan Insecticides Ltd.	Member
9. Chairman & Managing Director, M/s. Hindustan Organic Chemicals.	Member
10. Director, National Chemical Laboratory, Pune.	Member
11. Director, Regional Research Laboratory, Hyderabad.	Member
12. Director, RRL, Jorhat.	Member
13. President, Indian Chemical Manufacturers' Association.	Member
14. President, Alkali Manufacturers Association.	Member
15. President, All India Alcohol based Industries Development Association.	Member
16. President, All India Distillers Association.	Member
17. President, Federation of Association of Small Scale Industries.	Member
18. President, Indian Dye-Stuffs Manufacturers' Association.	Member
19. President, Pesticides Association of India.	Member
20. Shri Kalayan Sen, Industrialist.	Member
21. Dr. K. Narayanan, President, Chemicals & Plastics India Ltd., Madras.	Member
22. Shri M.D. Dhumankar, Managing Director, HICO Products, Bombay	Member

ANNEXURE-II

Functions of the Development Council for Chemicals Industries

- (1) Recommending targets for production, co-ordinating production programme and reviewing progress from time to time.
- (2) Suggesting norms of efficiency with a view to eliminating waste, obtaining maximum production, improving quality and reducing costs.
- (3) Recommending measures for securing the fuller utilisation of the installed capacity and for improving the working of the industry, particularly of less efficient units.
- (4) Promoting arrangements for better marketing and helping in the devising of a system of distribution and sale of the produce of the industry which would be satisfactory to the consumer.
- (5) Promoting standardisation of products.
- (6) Assisting in the distribution of controlled materials and promoting arrangements for obtaining materials for the industry.
- (7) Promoting or undertaking, inquiry as to materials and equipment and as to methods of production, management and labour utilisation, including the discovery and development of new materials, equipment and methods and of improvements in those already in use, the assessment of the advantages of different alternatives and the conduct of experimental establishments and of test on a commercial scale.
- (8) Promoting the training of persons engaged or proposing engagement in the industry and their education in technical subjects relevant thereto.
- (9) Promoting the retaining in alternative occupations of personnel engaged in or retrenched from the industry.
- (10) Promoting or undertaking scientific and industrial research, research into matters affecting Industrial Psychology and research into matters relating to production and to the consumption or use of goods and services supplied by the industry.
- (11) Promoting improvements and standardisation of accounting and costing methods and practice.
- (12) Promoting or undertaking the collection and formulation of statistics.

